● **सुनो, समझो और सुनाओ :**

३. दो लघुकथाएँ

प्रस्तुत कहानियों के द्‌वारा लेखक ने बीरबल की बुद्‌धिमानी और समस्या के निराकरण की उनकी क्षमता को दिखाया है ।

सुनो तो जरा

'चतुराई' संबंधी कोई सुनी हुई कहानी सुनाओ ।

(अ) हरा घोड़ा

अकबर और बीरबल के किस्से बहुत प्रसिद्‌ध हैं । अकबर एक महान शासक थे । बीरबल उनके नवरत्नों में से एक थे । एक बार अकबर, बीरबल के साथ अपने घोड़े पर बैठकर बगीचे की सैर कर रहे थे । चारों तरफ हरियाली को देखकर उनका मन प्रसन्न हो गया । बादशाह अकबर ने सोचा कि यदि मेरे पास हरे रंग का घोड़ा होता तो मैं उसपर बैठकर हरे-भरे स्थानों की सैर करता । बस फिर क्या था ? बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा-''मैं तुम्हें एक सप्ताह का समय देता हूँ कि तुम मेरे लिए हरे रंग के घोड़े का प्रबंध करो ।'' बादशाह अकबर बीरबल की बुद्‌धिमानी की परीक्षा लेना चाहते थे इसलिए उन्होंने हरे रंग का घोड़ा लाने के लिए कहा था ।

बादशाह और बीरबल दोनों यह बात अच्छी तरह से जानते थे कि संसार में कहीं भी हरे रंग का घोड़ा नहीं होता । फिर भी बीरबल ने अकबर के आदेश को सिर-आँखों पर रख लिया ।

एक सप्ताह बीरबल इधर-उधर घूमते रहे और आठवें दिन दरबार में जाकर बोले- ''हुजूर ! आखिर आपके लिए मैंने हरा घोड़ा खोज ही लिया ।'' बादशाह अकबर के आश्चर्य का ठिकाना न रहा । वे सोचने लगे कि जब हरा घोड़ा होता ही नहीं तो बीरबल ने कैसे खोज लिया ? उन्हें विश्वास नहीं हुआ फिर भी उत्सुकता से कहा-''बीरबल ! हरा घोड़ा कहाँ है ? मैं उसे तुरंत ही देखना चाहता हूँ ।''

बीरबल ने उत्तर दिया-''हुजूर, घोड़ा मिल गया है पर हरे घोड़े के मालिक की दो शर्तें हैं इसलिए घोड़े को आप अभी नहीं देख सकते । आपको इंतजार करना पड़ेगा ।'' ''कैसी शर्तें ?'' बादशाह ने पूछा ।

बीरबल ने जवाब दिया-''पहली शर्त यह है कि बादशाह को घोड़ा लेने वहाँ स्वयं ही जाना पड़ेगा । दूसरी शर्त यह है कि हुजूर जब घोड़े का रंग दूसरे घोड़ों से अलग है तो घोड़े को देखने का दिन भी अलग ही होना चाहिए । यानि सप्ताह के सात दिनों के अलावा आप घोड़े को किसी भी दिन देख सकते हैं ।'' जब बादशाह ने बीरबल की दूसरी शर्त सुनी तो वे बीरबल का मुँह देखने लगे । उन्होंने मन-ही-मन सोचा 'सात दिनों से अलग कौन-सा दिन होगा ।' तब बीरबल बोले-''हुजूर, यदि आपको हरा घोड़ा चाहिए तो दोनों शर्तें माननी ही पड़ेगी ।'' बादशाह अकबर निरुत्तर हो गए । वे मन-ही-मन प्रसन्न थे कि बीरबल ने अपनी चतुराई से उन्हें फिर मात दे दी ।

❑ उचित हाव-भाव के साथ कहानी का मुखर वाचन करें । विद्‌यार्थियों से गुट में मुखर वाचन कराएँ । प्रश्नोत्तर के माध्यम से कहानी के प्रमुख मुद्‌दों को स्पष्ट करें । कक्षा में इस कहानी का नाट्‌यीकरण कराएँ । तेनालीराम की कहानियाँ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें ।

खोजबीन

अंतरजाल से पारंपरिक चित्र शैली के प्रकार खोजो और लिखोः जैसे-वारली, मधुबनी आदि ।

राज्य का नाम

शैली का नाम

(ब) सेठ का चित्र

बहुत पहले की बात है । एक सेठ था । वह बहुत ही कंजूस था । एक दमड़ी भी खर्च करते समय उसके प्राण निकल जाते थे । वह काम कराने के बाद भी लोगों को पैसे देने में परेशान करता था । एक बार उसने एक चित्रकार से अपना चित्र बनवाया । जब चित्रकार ने पैसे माँगे तो सेठ ने कह दिया-''चित्र ठीक नहीं है, दोबारा बनाकर लाओ ।'' चित्रकार ने कई बार चित्र बनाए, लेकिन वह कंजूस सेठ हर बार कह देता कि चित्र ठीक नहीं है । क्रोधित होकर उस चित्रकार ने सेठ से सभी चित्रों के पैसों का तकादा कर लिया । धूर्त सेठ बोला-''कैसे पैसे, जब मेरा चित्र ठीक से बना ही नहीं तो मैं पैसे किस बात के दूँ ?'' बेचारा चित्रकार अपने घर लौट आया । परेशानी का कारण पूछने पर उसने अपनी पत्नी को सारी बातें बताई । चित्रकार की पत्नी बहुत

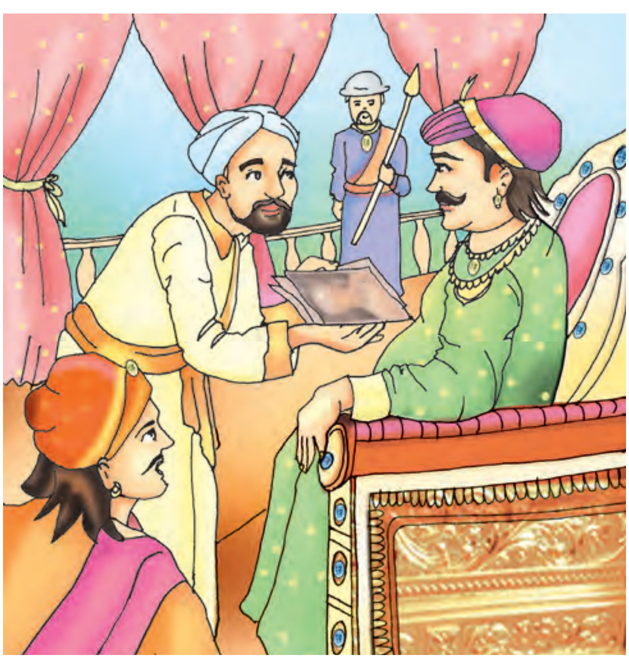

बुद्‌धिमान थी । वह बोली-''आप दरबार में जाकर न्याय के लिए फरियाद कीजिए ।'' चित्रकार बहुत उदास हो गया था । वह मुँह लटकाकर बैठ गया । बोला, ''सेठ बड़ा आदमी है । लोग उसी की बात को सच मानेंगे । भला मुझ जैसे गरीब का साथ कौन देगा ?'' चित्रकार की पत्नी बोली, ''सबके बारे में ऐसा नहीं कह सकते । बादशाह अकबर बहुत दयालु हैं । वे भले ही पढ़े-लिखे नहीं है परंतु बड़े बुद्‌धिमान हैं । उनकी सहायता के लिए दरबार में नौ-नौ रत्न हैं । आप वहाँ जाइए । आपको न्याय जरूर मिलेगा ।''

दूसरे दिन चित्रकार बादशाह अकबर के दरबार में गया और पूरा किस्सा सुना दिया । बादशाह अकबर ने चित्रों को लेकर सेठ को दरबार में बुलवा लिया । बादशाह ने सभी चित्रों को गौर से देखकर कहा-''तुम्हारे इन चित्रों में क्या कमी है ?''

''हुजूर, इनमें से एक भी चित्र हू-ब-हू मेरे चेहरे जैसा नहीं है,'' सेठ ने कहा ।

बादशाह मुश्किल में पड़ गए कि न्याय कैसे करें ? बड़ी देर तक विचार करते रहे । जब उन्हें कुछ समझ में नहीं आया तो बीरबल से न्याय करने को कहा । बीरबल ने सारी बातें ध्यान से सुनीं और तुरंत समझ गए कि सेठ चेहरा बदलने में निपुण है । चित्रकार को पैसे न देने पड़ें इसलिए वह नाटक कर रहा है । उसको सही रास्ते पर लाना जरुरी है । कला और कलाकार का सम्मान करने से कला, संस्कृति की रक्षा एवं संवर्धन होता है । कला में निपुण कलाकारों की इज्जत जहाँ होती है वह देश विश्व में विख्यात होता है इसलिए बीरबल ने चित्रकार

❑ विद्‌यार्थियों को उनके दादा, दादी, भाई-बहन को कहानी सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें । इन कहानियों में बीरबल की जगह यदि विद्‌यार्थी होते तो क्या करते, बताने के लिए प्रेरित करें । उन्हें कौन-सी कहानी अधिक पसंद आई और क्यों, सकारण पूछें । कहानी में आए एकवचनवाले और बहुवचनवाले तथा स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्दों की सूची बनाकर उनका वाक्यों में प्रयोग करवाएँ ।

विचार मंथन

।। सत्यमेव जयते ।।

से कहा-''तुम्हारे चित्रों में सचमुच बहुत कमियाँ हैं। तीन दिन बाद इस सेठ का हू-ब-हू चित्र बनाकर दरबार में ले आना। तुम्हें पैसे मिल जाएँगे और सेठ तुम भी दरबार में आकर चित्रकार को पैसे दे देना।'' सेठ घर चला गया। बीरबल ने चित्रकार से कहा-''तीन दिन बाद तुम दरबार में एक बड़ा-सा दर्पण लेकर उपस्थित हो जाना।''

तीन दिन बाद चित्रकार दरबार में आया और सेठ के सामने दर्पण रखकर बोला-''सेठ जी आपका चित्र तैयार है।'' सेठ अपना प्रतिबिंब देखकर बोला, ''परंतु यह तो दर्पण है।''

''नहीं, यही तो असली चित्र है।''

बीरबल ने पूछा-''सेठ जी, यह तो तुम्हारा ही रूप है, है या नहीं ?''

सेठ बोला-''जी हाँ।''

सेठ अपनी चालाकी पकड़े जाने पर बहुत लज्जित हुआ उसने चित्रकार को उसका मेहनताना दे दिया। चित्रकार सभी को धन्यवाद देकर चला गया। बीरबल के न्याय से बादशाह अकबर बहुत खुश हुए। बादशाह अकबर की प्रत्येक समस्या का समाधान बीरबल अपनी बुद्धिमानी से फटाफट कर देते थे। यहाँ भी बीरबल ने दूध का दूध और पानी का पानी कर दिखाया था।

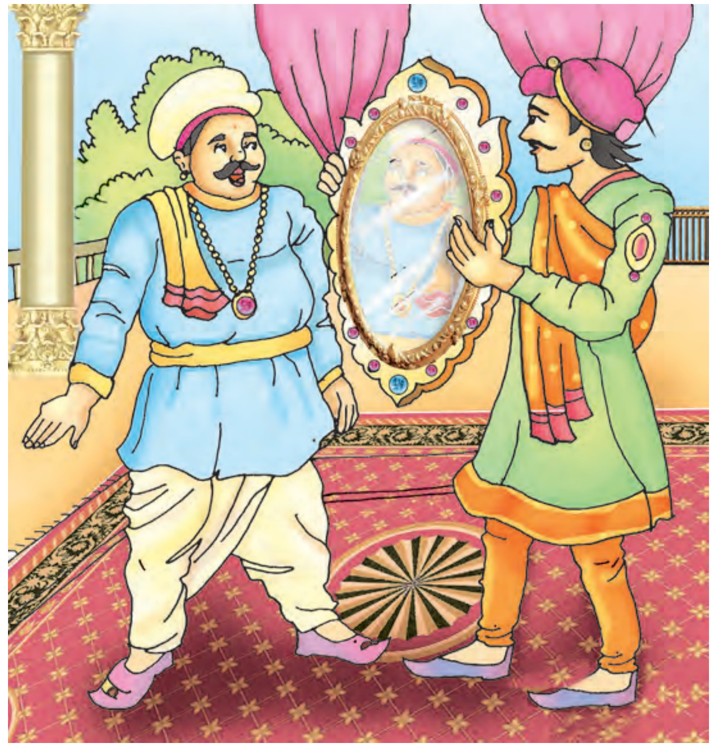

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

फरियाद = याचना, प्रार्थना
किस्सा = कहानी
हू-ब-हू = जैसे-का-वैसा
मेहनताना = पारिश्रमिक

कहावत

दूध का दूध, पानी का पानी करना =सही न्याय करना

मुहावरे

सिर आँखों पर रखना = स्वीकार करना
मात देना = पराजित करना
मुँह लटकाना = उदास होना

अध्ययन कौशल

किसी नियत विषय पर भाषण देने हेतु टिप्पणी बनाओ :

प्रस्तावना → विषय प्रवेश → उद्‌धरण, सुवचन → स्व मत

बताओ तो सही

अकबर के नौ रत्नों के बारे में बताओ ।

वाचन जगत से

पसंदीदा चित्रकथा पढ़ो और इसी प्रकार अन्य चित्रकथा बनाकर सुनाओ ।

सदैव ध्यान में रखो

निर्णय से पहले पक्ष-विपक्ष दोनों का विचार करना चाहिए ।

१. सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखो :

(क) जब बादशाह ने बीरबल की दूसरी शर्त सुनी तो वे बीरबल ------।

१. से खुश हो गए । २. का मुँह देखने लगे । ३. की होशियारी जान चुके ।

(ख) क्रोधित होकर उस चित्रकार ने सेठ से ------।

१. पैसे माँगे । २. पूरे पैसे माँगे । ३. सभी चित्रों के पैसे माँगे ।

२. चित्रकार की परेशानी का कारण बताओ ।

३. 'हरे घोड़े' के संदर्भ में बीरबल की चतुराई का वर्णन करो ।

४. घोड़े के मालिक की शर्तें लिखो ।

भाषा की ओर

निम्नलिखित वाक्य पढ़ो तथा मोटे और ( ) में छपे शब्दों पर ध्यान दो :

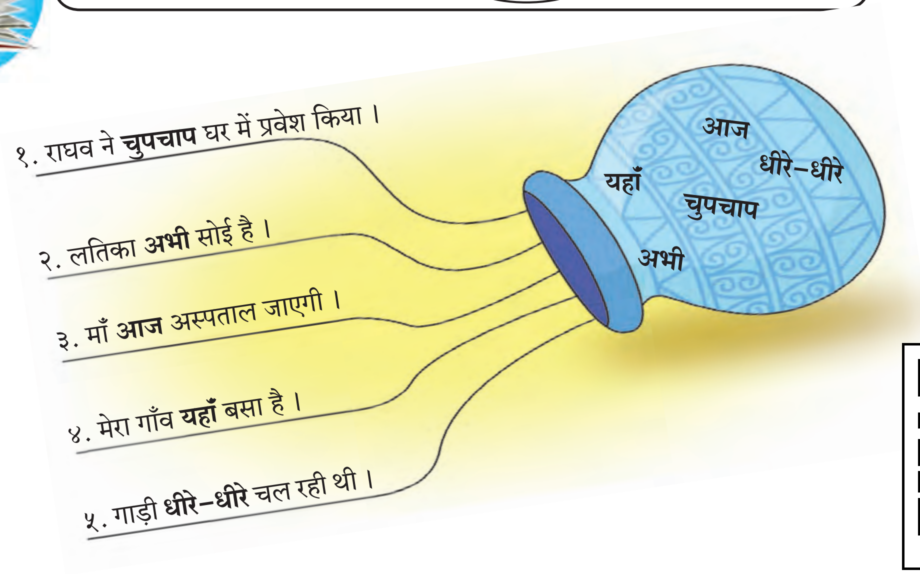

L42NJS

उपर्युक्त वाक्यों में **चुपचाप, अभी, आज, यहाँ, धीरे-धीरे** ये शब्द क्रमशः प्रवेश करना, सोना, जाना, बसना, चलना इन क्रियाओं की विशेषता बताते हैं । ये शब्द **क्रियाविशेषण अव्यय** हैं ।

१. नागपुर से रायगढ़ (की ओर) गए ।

२. ताकत (के लिए) संतुलित आहार आवश्यक है ।

३. जन्म (के बाद) एक मामी जी ने मुझे गोद ले लिया ।

४. जलाशय चाँदी (की भाँति) चमचमा रहा था ।

५. शौनक बड़ी बहन (के साथ) विद्‌यालय जाने की तैयारी में लग गया।

उपर्युक्त वाक्यों में **की ओर, के लिए, के बाद, की भाँति, के साथ** ये क्रमशः नागपुर और रायगढ़, ताकत और संतुलित आहार, जन्म और मामी जी, जलाशय और चाँदी, बड़ी बहन और विद्‌यालय इनके बीच संबंध दर्शाते हैं । ये शब्द **संबंधबोधक अव्यय** हैं ।